डॉ मोहन थॉमस, एमडी (यूएसए), एफ़एसीएस (यूएसए), माउंट सिनाय हॉस्पिटल न्यूयॉर्क के विज़िटिंग स्कॉलर व कंसल्टेंट हैं. साथ ही ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के दि कॉस्मेटिक सर्जरी इंस्टीट्यूट, मुंबई से भी जुड़े हुए हैं

**स मेरी आठ वर्षीया बेटी थोड़ी मोटी है. उसका वज़न लगभग ८ किलो अधिक है. वसा का ज़्यादातर जमाव उसमे पेट के आसपास है. क्या इंजेक्शन लाइपोसक्शन से उसके बढ़े हुए वज़न को सही किया जा सकता है? कान में छेद कराने के बाद उसके कान में केलॉइड्स हो गए. कृपया बताएं कि मैं क्या करूं?**

*अंजली मेहरा, नासिक*

ज आपकी बेटी किसी भी तरह की सर्जिकल या नॉनसर्जिकल प्रक्रिया द्वारा वज़न घटाने के लिहाज से बहुत छोटी है. आप उसे खान पान की आदतों को सुधारने के लिए प्रोत्साहित करें, ख़ासकर जंक फ़ूड और मिठाइयां कम खाने के लिए कहें. साथ ही उससे शारीरिक परिश्रम करने के लिए कहें, विशेषकर आउटडोर गे स में भाग लेने को कहें. आप उसे किसी अच्छे एंडोक्राइनोलॉजिस्ट को दिखाएं, क्योंकि एंडोक्राइन की समस्या होने पर भी वज़न बढ़ता है.

रही बात कान के केलॉइड्स की तो उसे स्टेरॉइड्स से ठीक किया जा सकता है. उसके लिए किसी भी तरह की सर्जरी की ज़रूरत नहीं है. जिन लोगों को केलॉइड्स होने की संभावना अधिक होती है उनको किसी भी तरह के घाव पर निशान आ जाते हैं. इसलिए किसी भी तरह की पीयर्सिंग कराने और टैटू बनवाने से बचें.

**स मैं 30 वर्षीया हूं. मेरी ऊंचाई 5'7" तथा वज़न 65 किलो है. मेरा एक चार वर्षीय बेटा भी है. मैं अपनी बाहों, थाईज़, पेट और हिप्स का लाइपोसक्शन कराना चाहती हूं. दिल्ली में एक क्लिनिक है जहां लोकल एनेस्थिशिया का इस्तेमाल करके टमसेंट लाइपोसक्शन किया जाता है. वे दावा करते हैं कि यह एक सुरक्षित तरीक़ा है. क्या यह सच है? मुझे डर लगता है कि इस प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी होने से जान भी सकती है. इसके अलावा क्लिनिक का दावा है कि यह दर्दरहित प्रक्रिया है. क्या वास्तव में ऐसा है? यदि नहीं तो इस प्रक्रिया में कितना दर्द होता है और दर्द कितने समय तक रहता है? यह प्रक्रिया एब्डॉम्नोप्लास्टी या टमी टक से कितनी अलग है? मेरे लिए उचित प्रक्रिया कौन सी होगी? मुझे यह भी बताएं कि मेरे शरीर से कितने लीटर तक वसा निकाली जा सकती है?**

*ए दीवान, नई दिल्ली*

ज यह बिल्कुल सच है कि टमसेंट प्रक्रिया और लोकल एनेस्थिशिया द्वारा लाइपोसक्शन सर्जरी कराना सबसे सुरक्षित माना जाता है. जब कम जगहों से वसा निकालना होता है तो इसे प्राथमिकता दी जाती है. हालांकि अधिकतर मामलों में अनेक जगहों से कई लीटर वसा निकाले जाने की आवश्यकता होती है. दूसरा तरीक़ा है सर्कमफ़ेरेंशियल लाइपोसक्शन. इस प्रक्रिया में अधिक समय चाहिए होता है. जनरल एनेस्थिशिया दे कर लार्ज वॉल्युम लाइपोसक्शन करने का हमारा रेकॉर्ड बेहतरीन रहा है.

जहां सवाल है दर्द को तो थोड़ा बहुत दर्द तो होगा ही. प्रत्येक व्यक्ति की दर्द सहने की क्षमता के अनुसार दर्द कम ज़्यादा हो सकता है. वैसे देखा जाए तो यह प्रक्रिया दर्दरहित है. सर्जरी के बाद हल्का दर्द हो सकता है जो कि दर्दनिवारक गोलियों के इस्तेमाल से नियंत्रित किया जा सकता है.

एब्डॉम्नोप्लास्टी या टमी टक अलग सर्जरी हैं जो कि लाइपोसक्शन के साथ की जाती है. टमी टक से पेट की ढीली पड़ी त्वचा को ठीक किया जाता है. आमतौर पर डिलिवरी के बाद पेट की त्वचा ढीली पड़ जाती है. कितनी मात्रा में वसा निकाली जा सकती है यह तो देखने के बाद ही पता चलेगा है.

वसा घटाने का नॉन-सर्जिकल तरीक़े का इस्तेमाल तब किया जाता है जब एक या दो जगह से बहुत कम मात्रा में वसा निकालनी होती है. वसा की अधिक मात्रा निकलवाने की स्थिति में नॉन सर्जिकल तरीक़ा प्रभावी नहीं होता. आपके द्वारा दिए गए संक्षिप्त वर्णन से लगता है कि आपको लाइपोसक्शन के साथ एब्डॉम्नोप्लास्टी की आवश्यकता है. इसके लिए आपको तीन से चार दिन अस्पताल में रहना पड़ सकता है और उसके बाद और कुछ दिनों तक मुंबई में रुकना पड़ सकता है.

**स मेरी नाक बहुत छोटी है. एक प्लास्टिक सर्जन ने मुझे सलाह दी है कि इसे अच्छा बनाने के लिए मुझे इम्प्लान्ट करा लेना चाहिए. क्या इसे भविष्य में कोई समस्या आ सकती है? मैं नाक के इम्प्लान्ट को लेकर थोड़ी चिंतित हूं. कृपया उचित समाधान सुझाएं.**

*स्मिता नायर, ईमेल द्वारा*

ज नाक की लंबाई बढ़ाने के लिए नाक का इंप्लान्ट कराना आम बात है. हालांकि इस प्रक्रिया में आपके ही ऊतकों (बोन, कार्टिलेज) का इस्तेमाल किया जाता है, फिर भी इम्प्लान्ट के इच्छुक अधिकतर लोग कॉस्मेटिक रिनोप्लास्टी को प्राथमिकता देते हैं. ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि इस प्रक्रिया का सुरक्षा रेकॉर्ड बेहतरीन है. साथ ही कई लोग एक जगह के बोन या कार्टिलेज को दूसरे जगह इम्प्लान्ट कराने से हिचकिचाते हैं.

हालांकि इम्प्लान्ट कराने में कई बड़ी समस्याएं हैं,जैसे-त्वचा से सिरे का दिखाई देना, इम्प्लान्ट शिफ़्टिंग और पसंद नहीं आना. अच्छी बात यह है कि सावधानी से की गई सर्जरी से इस समस्या को कम किया जा सकता है. इस प्रक्रिया द्वारा किया गया इम्प्लान्ट बेहतर नतीजे देता है. किंतु इस तरह के इम्प्लान्ट को निकलवाना बहुत ही मुश्क़िल होता है.

रिनोप्लास्टी में सॉलिड सिलिकॉन इंप्लान्ट का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके नतीजे भी बहुत अच्छे होते हैं.

ऑटोलॉगस टिश्यु प्रक्रिया में स्कल से बोन ग्राफ़्ट तकनीक़ दीर्घावधि के लिए सबसे अच्छी है.

यदि आपके पास कॉस्मेटिक सर्जरी से जुड़ा कोई सवाल है तो डॉ मोहन थॉमस को लिखें. अपना सवाल femina@wwm.co.in पर भेजें.

इस पृष्ठ पर छपनेवाली चिकित्सीय सूचना के बारे में फ़ेमिना की कोई जवाबदारी नहीं होगी